## खबर संक्षेप

### 1.50 लाख की अवैध शराब जब्त, नामी ब्रांड्स के साथ तस्कर गिरफ्तार

**शहडोल।** पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में नशे के सौदागरों के खिलाफ चलाए जा रहे कड़े अभियान के तहत देवलोंद पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर ग्राम जनकपुर-बुड़वा में दबिश देकर भारी मात्रा में अवैध शराब का जखीरा बरामद किया है। पुलिस की इस घेराबंदी में आरोपी रामबहोर बैस पिता लक्ष्मण प्रसाद बैस, उम्र 38 वर्ष, निवासी जनकपुर बुड़वा को रंगे हाथों दबोचा गया। आरोपी के कब्जे से विभिन्न नामी ब्रांड्स की कुल 135 लीटर अवैध अंग्रेजी और देसी शराब जब्त की गई है। जब्त खेप में ऑफिसर्स चॉइस, इम्पीरियल ब्लू, मैकडॉवेल्स, 8 पीएम व्हिस्की और शासकीय प्लेन मदिरा शामिल है। इस अवैध खेप की कुल अनुमानित कीमत करीब 1,50,000 रुपये आंकी गई है। देवलोंद पुलिस ने पूरी मदिरा को विधिवत जब्त करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की कडक़ धारा 34(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसे जेल भेजने की तैयारी की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र के अवैध शराब माफियाओं में हडक़ंप मच गया है। इस कामयाबी में उपनिरीक्षक दिलीप सिंह, सहायक उपनिरीक्षक इन्द्रलाल पुरी, प्रधान आरक्षक दिनेश शुक्ला, आरक्षक चित्रांशु शुक्ला, ओमप्रसाद तिवारी और महिला आरक्षक कंचन सिंह की भूमिका रही।

### नाबालिग से दुष्कर्म का मुख्य आरोपी और महिला मददगार गिरफ्तार

**शहडोल।** मासूम बच्चियों पर बुरी नजर डालने वाले और उन्हें हवस का शिकार बनाने वाले दरिंदों के खिलाफ बुढ़ार पुलिस ने एक और बड़ी और कडक़ कार्रवाई की है। नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने वाले मुख्य आरोपी राहुल नायक सहित उसकी एक महिला मददगार को पुलिस ने दबोचकर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। मामला अप्रैल महीने का है, जब एक 15 वर्षीय नाबालिग अचानक लापता हो गई थी। परिजनों की शिकायत पर बुढ़ार पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए पीड़िता को पहले ही सकुशल दस्तयाब कर परिजनों को सौंप दिया था, लेकिन असली सनसनीखेज खुलासा तब हुआ जब पीड़िता ने अपने बयानों में आपबीती सुनाई। पीड़िता ने बताया कि आरोपी राहुल नायक उसे बहला-फुसलाकर भगा ले गया था और उसने उसके साथ गलत काम (दुष्कर्म) किया। पीड़िता के बयान के आधार पर पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए भारतीय न्याय संहिता की सख्त धाराओं 137(2), 86, 87, 124(2)(4), 64(एम) और 3(5) का इजाफा किया। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने जाल बिछाया और मुख्य आरोपी राहुल नायक पिता लखन नायक, निवासी रायपुर, छत्तीसगढ़ और अपराध में उसका साथ देने वाली सह-आरोपिया रेशमा नायक पति गोपाल नायक, निवासी नौगई, बुढ़ार को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

### न्यायालय की आंख में धूल झोंक रहे 3 फरार आरोपी दबोचे

**शहडोल।** कानून से भाग रहे अपराधियों और न्यायालय के आदेशों को ठेंगा दिखाने वाले वारंटियों के खिलाफ गोहपारू पुलिस ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाकर लंबे समय से फरार चल रहे दो वसूली वारंटियों और एक गिरफ्तारी वारंटी को दबोचने में बड़ी सफलता हासिल की है। माननीय कुटुंब न्यायालय शहडोल द्वारा जारी वसूली वारंट के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर रोशन प्रसाद वर्मन निवासी बरेली और तीरथ प्रसाद गुप्ता निवासी खन्नौधी को गिरफ्तार किया। वहीं, माननीय जेएमएफसी शहडोल के न्यायालय से जारी गिरफ्तारी वारंट के मामले में लंबे समय से पेशी से गायब चल रहे शातिर वीरेन्द्र सेन निवासी खन्नौधी को भी पुलिस ने दबोच लिया।

## कथित नेटवर्क, बेनामी संपत्तियों और प्रभावशाली सिंडिकेट को लेकर सवाल

# ट्रांसपोर्टरों में असंतोष, स्थानीय कारोबारियों की बढ़ी चिंता

### रामपुर मेगा प्रोजेक्ट में बढ़ते प्रभाव और संपत्तियों की चर्चाएं, उच्च स्तरीय जांच की उठी मांग

**शहडोल।** साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड (एसईसीएल) के सोहागपुर एरिया स्थित रामपुर मेगा प्रोजेक्ट में इन दिनों एक कथित प्रभावशाली नेटवर्क और बढ़ते आर्थिक प्रभाव को लेकर चर्चाएं तेज हैं। स्थानीय ट्रांसपोर्टरों, कारोबारियों और क्षेत्रीय लोगों के बीच यह सवाल लगातार उठ रहा है कि आखिर कुछ वर्षों में सीमित पद पर कार्यरत लोगों के प्रभाव और संपत्तियों में हुई कथित वृद्धि की वास्तविकता क्या है। क्षेत्र में यह मांग भी उठने लगी है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर यह स्पष्ट किया जाए कि चर्चाओं और आरोपों में कितनी सच्चाई है।

### ट्रांसपोर्टरों में बढ़ रहा असंतोष

रामपुर मेगा प्रोजेक्ट से जुड़े कई ट्रांसपोर्टरों के बीच यह चर्चा है कि धीरे-धीरे कामकाज कुछ चुनिंदा प्रभावशाली लोगों के इर्द-गिर्द सिमटता जा रहा है। छोटे और स्वतंत्र ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि प्रतिस्पर्धा का माहौल कमजोर हुआ है और सामान्य व्यवसायियों के लिए अवसर सीमित होते जा रहे हैं। हालांकि अधिकांश लोग खुलकर सामने नहीं आना चाहते, लेकिन अंदरखाने असंतोष लगातार बढ़ रहा है। क्षेत्र के लोगों का मानना है कि परिवहन व्यवस्था और कार्य आवंटन प्रणाली की स्वतंत्र जांच होने से स्थिति स्पष्ट हो सकती है।

### कारोबारी नेटवर्क और बढ़ते प्रभाव की चर्चा

स्थानीय स्तर पर तकनीकी निरीक्षक जितेंद्र पांडे को लेकर भी विभिन्न प्रकार की चर्चाएं सामने आ रही हैं। सूत्रों का दावा है कि उनका प्रभाव केवल प्रशासनिक दायरे तक सीमित नहीं है, बल्कि ट्रांसपोर्ट, कोयला कारोबार और विभिन्न फर्मों तक फैला हुआ बताया जा रहा है। हालांकि इन दावों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन लगातार उठ रहे सवालों के बीच लोग यह मांग कर रहे हैं कि संबंधित फर्मों, कारोबारी संबंधों और वित्तीय गतिविधियों की जांच कर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक की जाए।

### बेनामी और अनुपातहीन संपत्तियों पर उठ रहे सवाल

क्षेत्र में सबसे ज्यादा चर्चा कथित बेनामी और अनुपातहीन संपत्तियों को लेकर हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि किसी कर्मचारी या उससे जुड़े लोगों की संपत्तियों में असामान्य वृद्धि हुई है तो उसकी जांच होनी चाहिए। चर्चा यह भी है कि विभिन्न स्थानों पर निवेश, संपत्ति और कारोबारी हिस्सेदारी को लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। लोगों का मानना है कि आय के ज्ञात स्रोतों और संपत्तियों का मिलान कराए जाने से स्थिति स्पष्ट हो सकती है तथा सभी संदेह स्वतः समाप्त हो जाएंगे।

### असामाजिक तत्वों को संरक्षण मिलने की चर्चाएं

रामपुर मेगा प्रोजेक्ट के आसपास यह चर्चा भी लगातार सुनाई दे रही है कि कुछ प्रभावशाली लोगों के संरक्षण में असामाजिक तत्व सक्रिय हैं। स्थानीय कारोबारियों का कहना है कि ऐसे माहौल से सामान्य व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं और भय का वातावरण बनता है। हालांकि इन आरोपों की किसी एजेंसी द्वारा पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन लगातार उठ रही शिकायतों और चर्चाओं के कारण लोगों में चिंता का माहौल बना हुआ है। उनका कहना है कि यदि जांच हो तो वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है।

### केंद्र की जीरो टॉलरेंस नीति पर सवाल

केंद्र सरकार भ्रष्टाचार, काले धन और बेनामी संपत्तियों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई और जीरो टॉलरेंस की नीति की बात करती रही है। ऐसे में सार्वजनिक क्षेत्र के एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट में इस तरह की चर्चाओं का सामने आना स्वाभाविक रूप से सवाल खड़े कर रहा है। लोगों का कहना है कि यदि आरोप निराधार हैं तो जांच से संबंधित व्यक्तियों की छवि साफ होगी और यदि आरोपों में तथ्य हैं तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई का मार्ग प्रशस्त होगा।

### ईओडब्ल्यू, सीवीसी और केंद्रीय एजेंसियों से जांच की मांग

स्थानीय ट्रांसपोर्टरों, कारोबारियों और सामाजिक संगठनों के बीच अब यह मांग जोर पकड़ रही है कि पूरे मामले की जांच आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू), केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी), सतर्कता विभाग तथा अन्य सक्षम केंद्रीय एजेंसियों से कराई जाए। लोगों का कहना है कि रामपुर मेगा प्रोजेक्ट केवल एक खदान नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था का आधार है। इसलिए परियोजना की विश्वसनीयता बनाए रखने और उठ रहे सवालों का जवाब देने के लिए निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच आवश्यक है। जांच होने से यह स्पष्ट हो सकेगा कि क्षेत्र में चल रही चर्चाओं और आरोपों के पीछे वास्तविकता क्या है तथा कहीं कोई सिंडिकेट या आर्थिक अनियमितता तो काम नहीं कर रही।

# 24 घंटे में मिला जमीन का पट्टा, एक वर्ष पुरानी समस्या का हुआ समाधान

### कमिश्नर की संवेदनशील पहल से आवेदिका को मिली बड़ी राहत

### जनसुनवाई डैश बोर्ड बना त्वरित निराकरण का प्रभावी माध्यम

**शहडोल।** संभाग आयुक्त श्रीमती सुरभि गुप्ता की संवेदनशीलता और त्वरित कार्यशैली के चलते एक वर्ष से लंबित भूमि संबंधी समस्या का समाधान मात्र 24 घंटे में हो गया। तहसील जयसिंहनगर के ग्राम रेउसा निवासी श्रीमती सरोज पाल पति रामेश्वर पाल, मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में अपनी समस्या लेकर पहुंचीं। उन्हें उम्मीद थी कि लंबे समय से चली आ रही परेशानी का समाधान मिलेगा। जनसुनवाई में श्रीमती सरोज पाल ने बताया कि उन्होंने फरवरी 2025 में भूमि क्रय की थी, लेकिन भूमि से संबंधित अभिलेख और पट्टा उपलब्ध नहीं होने के कारण उनका नामांतरण एवं रिकॉर्ड दुरुस्त नहीं हो पा रहा था। इस समस्या के समाधान के लिए वे पिछले एक वर्ष से विभिन्न कार्यालयों के चक्कर लगा रही थीं। आयुक्त श्रीमती सुरभि गुप्ता ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच एवं आवश्यक कार्रवाई के निर्देश अपने कार्यालय के संभागीय सलाहकार आर.सी.एम.एस. उपेंद्र त्रिपाठी को दिए। जांच के दौरान पाया गया कि आवेदिका के पास भूमि संबंधी दस्तावेज उपलब्ध नहीं थे।

इसके बाद रजिस्ट्री नंबर प्राप्त कर संबंधित अभिलेखों की जांच की गई तथा आवेदिका के नामांतरण आदेश को खोजकर उसके आधार पर भू-अभिलेख में आवश्यक प्रविष्टियां दर्ज कराई गईं। कार्रवाई के दौरान जयसिंहनगर तहसीलदार श्रीमती सुषमा धुर्वे एवं संभागीय सलाहकार श्री उपेंद्र त्रिपाठी ने समन्वय स्थापित करते हुए प्रक्रिया पूरी कराई। परिणामस्वरूप मात्र 24 घंटे के भीतर पटवारी द्वारा आवेदिका के घर पहुंचकर नामांतरण आदेश एवं खसरे की प्रतिलिपि सौंप दी गई। अपनी समस्या के त्वरित समाधान पर श्रीमती सरोज पाल ने आयुक्त श्रीमती सुरभि गुप्ता एवं प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

### जनसुनवाई डैशबोर्ड बना प्रभावी निगरानी तंत्र

जनसुनवाई को अधिक प्रभावी एवं परिणाममुखी बनाने के लिए आयुक्त कार्यालय में विशेष जनसुनवाई डैशबोर्ड विकसित किया गया है। इस डैशबोर्ड में प्रत्येक मंगलवार को प्राप्त आवेदनों का डिजिटल पंजीयन किया जाता है तथा उनके निराकरण की सतत मॉनिटरिंग की जाती है। शिकायतों को संबंधित अधिकारियों तक ऑनलाइन प्रेषित किया जाता है और अधिकारी की गई कार्रवाई की जानकारी भी इसी डैशबोर्ड पर अपडेट करते हैं, जिसकी नियमित समीक्षा स्वयं आयुक्त द्वारा की जाती है। इसके अलावा नागरिकों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए एक डिजिटल क्यूआर कोड प्रणाली भी विकसित की गई है, जिसके माध्यम से लोग अपनी शिकायतें एवं समस्याएं सीधे दर्ज करा सकते हैं। इस व्यवस्था से शिकायतों के समयबद्ध निराकरण में तेजी आई है तथा प्रशासन और नागरिकों के बीच संवाद और अधिक सशक्त हुआ है। इस प्रकरण ने एक बार फिर साबित किया है कि प्रशासनिक संवेदनशीलता, तकनीक आधारित निगरानी व्यवस्था और त्वरित कार्रवाई से आम नागरिकों की समस्याओं का प्रभावी समाधान संभव है।

# यातायात पुलिस की अनूठी पहल, 154 वाहनों में मौके पर लगवाई गई नंबर प्लेट

**शहडोल।** सडक़ सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से शहडोल यातायात पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान बिना नंबर प्लेट के संचालित हो रहे 154 दोपहिया वाहनों को रोककर चालानी कार्रवाई करने के बजाय वाहन चालकों को मौके पर ही नंबर प्लेट लगवाने के निर्देश दिए गए। यातायात प्रभारी ने अपने दलबल के साथ नियमित जांच अभियान के दौरान ऐसे वाहनों की पहचान की, जिनमें नंबर प्लेट नहीं लगी थी। वाहन चालकों को नियमों की जानकारी देते हुए तत्काल नंबर प्लेट लगवाने की व्यवस्था कराई गई, जिससे सभी 154 वाहनों में मौके पर ही नंबर प्लेट लगाई गई।

यातायात पुलिस ने वाहन चालकों को चेतावनी दी कि भविष्य में बिना नंबर प्लेट वाहन चलाते पाए जाने अथवा यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि वाहन की पहचान और सडक़ सुरक्षा के लिए नंबर प्लेट का होना अनिवार्य है। पहले समझाइश, फिर कार्रवाई की सोच के साथ चलाया गया यह अभियान लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस प्रकार के जन-जागरूकता अभियान आगे भी जारी रहेंगे, ताकि सडक़ दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाया जा सके।

### शहडोल नगर में चल रहे सीवरेज लाइन कार्य की कलेक्टर ने की समीक्षा

**शहडोल।** कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने शहडोल नगर में चल रहे सीवरेज लाइन निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्षा के पूर्व काम पूरा करे। उन्होंने कहा कि सकरे मार्गों में वर्षा के पूर्व प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाए। कार्य की प्रगति की साप्ताहिक रिपोर्ट देने के भी निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने निर्माण कंपनी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्षा के दौरान मैनुअली कार्य करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। बैठक में सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, श्रीमती मिनीषा पाण्डेय, प्रभारी एसडीएम सोहागपुर सुश्री अर्चना मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# सूरत से अपहृत नाबालिग को किया दस्तयाब

### परिजनों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

**शहडोल।** जिले की जैतपुर पुलिस ने तत्परता और मुस्तैदी का परिचय देते हुए सूरत (गुजरात) से एक अपहृत नाबालिग बालिका को सकुशल बरामद करने में सफलता हासिल की है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से जहाँ एक मासूम सुरक्षित अपने घर लौट आई है, वहीं क्षेत्र में पुलिस की कार्यप्रणाली की जमकर सराहना हो रही है।

### घर से लापता हुई थी 16 वर्षीय मासूम

मामला थाना जैतपुर के अंतर्गत चौकी दर्शिला क्षेत्र का है, जहां एक फरियादी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी 16 वर्षीय नाबालिग पुत्री घर से बिना बताए कहीं चली गई है। काफी खोजबीन और रिश्तेदारों के यहाँ तलाश करने के बाद भी जब उसका कोई सुराग नहीं लगा, तो परिजनों को किसी अज्ञात आरोपी द्वारा बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का अंदेशा हुआ। पुलिस ने तत्काल मुस्तैदी दिखाते हुए अपहरण का मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की।

### सूरत में दी दबिश, घेराबंदी कर छुड़ाया

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने सायबर सेल और मुखबिरों तंत्र को सक्रिय किया। सुराग मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल गुजरात के सूरत (थाना पुना क्षेत्र) में दबिश दी और घेराबंदी कर नाबालिग बालिका को सकुशल एवं सुरक्षित दस्तयाब कर लिया। थाने लाकर सभी वैधानिक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद मासूम को उसके रोते-बिलखते परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया, जिससे परिवार में छाई मायूसी खुशियों में बदल गई।

### सराहनीय भूमिका

इस पूरी सफ़ल कार्रवाई में जैतपुर थाना प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश नारायण शर्मा के कुशल निर्देशन में दर्शिला चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक मोहन पड़वार, प्रधान आरक्षक ईश्वर प्रसाद और आरक्षक अजय प्रजापति की भूमिका रही।

# बावड़ी उत्सव के माध्यम से जल संरक्षण का दिया संदेश, ग्रामीणों ने लिया संकल्प

शहडोल। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के तृतीय चरण के अंतर्गत विकासखंड गोहपारू के सेक्टर क्रमांक-03 चुहरी अंतर्गत ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति महुआटोला में बावड़ी उत्सव पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा जल संरक्षण के लिए सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना रहा।

कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक भीम सिंह डामोर, जिला समन्वयक शहडोल विवेक पांडेय तथा विकासखंड समन्वयक श्री आलोक सोंधिया ने सहभागिता करते हुए जल गोष्ठी को संबोधित किया। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों को बावडिय़ों, कुओं एवं अन्य पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण के महत्व की जानकारी देते हुए जल संकट से निपटने में इनके योगदान पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि जल संरक्षण केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। यदि जल स्रोतों का संरक्षण एवं संवर्धन किया जाए तो आने वाली पीढिय़ों के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध कराया जा सकता है। कार्यक्रम में नवांकुर संस्था आदर्श ग्राम जन सेवा समिति के अशोक अहिरवार, मेंटर्स मुकेश पाठक एवं सुश्री सची तिवारी, ग्रामवासी तथा समाजकार्य स्नातक के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनसमुदाय ने जल एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प लिया।

# वन संरक्षण में जनजातीय समुदाय का अहम योगदानः कमिश्नर

**शहडोल।** कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने वन अधिकार अधिनियम 2006 के अंतर्गत आयोजित संभाग स्तरीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। कमिश्नर ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि वन के संरक्षण में जनजातीय समुदाय के लोगों और वनवासियों का अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि वन अधिकार अधिनियम 2006 यह कानून वन क्षेत्रों में रहने वाले जनजातीय समुदाय के लोगों और अन्य पारंपरिक वनवासियों के अधिकारों को मान्यता देने के लिए बनाया गया था। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के तहत व्यक्तिगत वन अधिकार, सामुदायिक वन अधिकार,लघु वनोपज पर अधिकार जैसे अन्य महत्वपूर्ण अधिकार दिए गए है, इन अधिकारों के प्रति लोगों को जागरूक करना और उनका अधिकार देना हम सब का दायित्व है जिससे वे सशक्त और जागरूक हो सके। कार्यशाला को सी.सी. एफ. वनवृत्त शहडोल श्री महेंद्र प्रताप सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यशाला में वन अधिकार अधिनियम के विशेषज्ञ डॉ. शरद चंद्र लेले ने वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत प्रदत्त अधिकारो के बारे में भी विस्तृत जानकारियो से अवगत कराया एवं उपस्थित अधिकारियों ने अपने अपने प्रश्न भी पूछे जिसका जवाब विशेषज्ञ द्वारा दिया गया।कलेक्टर शहडोल डॉ.केदार सिंह, कलेक्टर अनूपपुर श्री हर्षल पंचोली, कलेक्टर उमरिया श्रीमती राखी सहाय, तीनों जिलों के डीएफओ, उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री जेपी यादव, तीनों जिलों के सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, संभाग के समस्त एसडीएम, तथा अनुविभागीय अधिकारी वन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

## खबर संक्षेप

### ईव्हीएम गोदाम का त्रैमासिक निरीक्षण आज

**उमरिया।** कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती राखी सहाय राजनैतिक दलों के साथ 12 जून को प्रातः 11 बजे निरीक्षण करेंगी । उन्होने समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलो से समय पर उपस्थिति पर अपेक्षा की है ।

### स्टैडिंग कमेटी की बैठक आज

**उमरिया।** नगरीय निकायों, पंचायतो की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण 2026 की तैयारी हेतु प्रक्रिया एवं मतदाता सूची तैयार करने का संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया है। जारी कार्यक्रम अनुसार 15 जून तक दावा आपत्ति केन्द्रों पर दावे आपत्ति प्राप्त करने के निर्देश दिए गए है । जिसके संबंध में 12 जून को प्रातः 11.30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार मे स्टैडिंग कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया है। बैठक में सर्व संबंधितो से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

### बाघ हमले में मृत महिला के परिजनों को 25 लाख की सहायता राशि

**उमरिया।** बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खेरवा में 24 मई को हुई दुखद बाघ हमले की घटना में मृत महिला फूल बाई पति पहलू पाल के परिजनों को कुल 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संवेदनशीलता एवं तत्परता के चलते मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से 17 लाख रुपये तथा बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व द्वारा 8 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत कर परिजनों को उपलब्ध कराई गई है। उल्लेखनीय है कि 24 मई को ग्राम खेरवा में बाघ ने घर में घुसकर फूल बाई पर हमला कर दिया था, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई थी। इस घटना में परिवार के अन्य सदस्य भी घायल हुए थे। घटना से पूरे क्षेत्र में शोक एवं चिंता का माहौल व्याप्त हो गया था। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन एवं वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किए। कलेक्टर उमरिया ने स्वयं मामले की सतत निगरानी करते हुए पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। प्रशासन द्वारा घायलों के उपचार, सुरक्षा व्यवस्था तथा आवश्यक राहत उपायों को प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित किया गया।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घटना को गंभीरता से लेते हुए पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की तथा तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। उनकी मानवीय संवेदनशीलता के परिणामस्वरूप मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से 17 लाख रुपये की विशेष सहायता राशि प्रदान की गई। वहीं बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व द्वारा नियमानुसार 8 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। जिला प्रशासन ने कहा है कि वन्यजीव एवं मानव संघर्ष की घटनाओं को रोकने तथा प्रभावित परिवारों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने के लिए शासन एवं प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। प्रशासन एवं वन विभाग द्वारा क्षेत्र में सतत निगरानी रखी जा रही है तथा ग्रामीणों को आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। पीड़ित परिवार ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, जिला प्रशासन एवं वन विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में शासन-प्रशासन ने संवेदनशीलता के साथ उनका साथ दिया है।फोटो 04

### भालूमाड़ा के प्रशांत कुमार ने रचा इतिहास

**भालूमाड़ा।** भालूमाड़ा निवासी प्रशांत कुमार शाह ने मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (एमपीईएसबी) द्वारा आयोजित फार्मासिस्ट ग्रेड-2 भर्ती परीक्षा 2026 में शानदार सफलता हासिल करते हुए प्रदेशभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रशांत ने 100 परसेंटाइल अंक अर्जित कर मेरिट सूची में पहला स्थान हासिल किया, जिससे पूरे अनूपपुर जिले और कोतमा क्षेत्र का नाम रोशन हुआ है। प्रशांत कुमार, एसईसीएल कर्मी प्रभु कुमार शाह के पुत्र हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों और क्षेत्रवासियों में हर्ष का माहौल है। परिणाम घोषित होने के बाद उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। प्राप्त मेरिट सूची के अनुसार प्रशांत कुमार का चयन संचालनालय कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं, इंदौर के अंतर्गत फार्मासिस्ट ग्रेड-2 पद के लिए हुआ है। उन्होंने कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच 100 परसेंटाइल प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। प्रशांत की सफलता को युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताते हुए क्षेत्र के लोगों ने कहा कि मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। परिवार ने उनकी सफलता का श्रेय माता-पिता, गुरुजनों और निरंतर परिश्रम को दिया है। क्षेत्रवासियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इसे पूरे जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है।

## बजरंग को चक्रव्यूह में फंसाने वाले 12 जिप्सी चालकों और गाइडों पर गिरी गाज!

# विजिलेंस जांच के आदेश से वन महकमे में हड़कंप

### पीसीसीएफ ने तलब की रिपोर्ट, सुप्रीम कोर्ट के नियमों को ठेंगा दिखाने वाले रसूखदारों के परमिट निरस्त होने की कगार पर

**उमरिया।**

शेर की मांद में घुसकर कानून का कसाईखाना खोलने वाले सफारी माफिया और रील्स के भूखे रसूखदार पर्यटकों के होश ठिकाने आ गए हैं। ताला जोन के कबीर आश्रम (ए-रूट) में बीती 6 जून 2026 को नर बाघ बजरंग को 12 जिप्सियों के अवैध चक्रव्यूह में फंसाकर तमाशा बनाने की खबर को जब इस समाचार पत्र ने उजागर किया, तो सोए हुए प्रशासनिक अमले के पैरों तले जमीन खिसक गई। अखबार के तीखे सवालों के बाद आखिरकार बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के कुंभकर्णी नींद में सोए आला अधिकारियों को अपनी कुर्सी छोड़ मैदान में उतरना ही पड़ा।

#### फील्ड डायरेक्टर की बढ़ी धडक़नें

समाचार पत्र में खबर छपते ही भोपाल में बैठे वन विभाग के मुखिया ने बांधवगढ़ प्रबंधन को तत्काल आड़े हाथों लिया। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का सरेआम मखौल उड़ाने और कोर एरिया में प्रतिबंधित मोबाइल व व्हाट्सएप ग्रुपों के जरिए बाघ की लोकेशन लीक करने के संगीन आरोपों पर पार्क डायरेक्टर से तत्काल स्पष्टीकरण मांगा गया है। सूत्रों की मानें तो अखबार में छपे एक-एक सवाल ने महकमे के भीतर वह खलबली मचाई है कि अब अपनी खाल बचाने के लिए छोटे कर्मचारियों की बलि चढ़ाने और रसूखदारों को बचाने का पुराना खेल फेल हो चुका है। प्राथमिक जांच के आधार पर मौके से नदारद रहने वाले बीट गार्ड और गश्ती दल को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया गया है। वहीं, उस काले दिन (6 जून) को पर्यटकों को डरा हुआ और विचलित बाघ दिखाकर अट्टहास कराने वाली उन 12 जिप्सियों और उनके गाइडों को चिन्हित कर ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

#### विजिलेंस टीम करेगी व्हाट्सएप सिंडिकेट का भंडाफोड़

अखबार द्वारा उठाए गए इस गंभीर मुद्दे के बाद कि आखिर कोर एरिया में मोबाइल नेटवर्क और व्हाट्सएप ग्रुप कैसे काम कर रहे हैं?, अब बांधवगढ़ प्रबंधन इस पूरे लोकेशन लीक नेटवर्क को ध्वस्त करने में जुट गया है। साइबर सेल की मदद से उन प्राइवेट व्हाट्सएप ग्रुपों को खंगाला जा रहा है, जिनमें बाघों की पल-पल की मूवमेंट शेयर कर पर्यटकों से मोटी रकम वसूली जाती थी। वन्यजीव प्रेमियों और जनता के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए अब इस पूरे मामले की जांच स्थानीय स्तर के बजाय किसी स्वतंत्र उच्चस्तरीय एजेंसी या विजिलेंस विंग को सौंपने की रूपरेखा तैयार हो चुकी है। दोषी जिप्सी चालकों के परमिट हमेशा के लिए निरस्त करने और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत आपराधिक मुकदमा दर्ज करने की फाइल टेबल पर आ चुकी है।

#### अभी पूरा हिसाब बाकी है!

यह इस समाचार पत्र की निर्भीक पत्रकारिता का ही असर है कि कंक्रीट संस्कृति के नशे में चूर सफारी माफिया, जो कल तक खुद को जंगल का असली राजा समझ रहा था, आज कानून के शिकंजे में आने के डर से मुंह छुपाता फिर रहा है, लेकिन बांधवगढ़ प्रबंधन यह अच्छी तरह समझ ले कि केवल चंद गाइडों और ड्राइवरों को सस्पेंड कर इस महालूट और घिनौने खेल पर पर्दा नहीं डाला जा सकता। जब तक उन वीआईपी और रसूखदार सरकारी वाहनों के मालिकों पर एफआईआर नहीं होती जो उस चक्रव्यूह में शामिल थे और जब तक सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को पैरों तले कुचलने वाले बड़े अफसरों पर गाज नहीं गिरती, तब तक इस सफारी माफिया के खिलाफ हमारी कलम की धार और तेज होती रहेगी।

## 12 जून से 18 जून तक किए जाएंगे जन कल्याण शिविर आयोजित

**उमरिया।**

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2026 तक जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन एवं जन कल्याण शिविरों का आयोजन किया जाना है। इस दौरान जनकल्याण शिविर का 12 जून 2026 से 18 जून 2026 तक की प्रत्येक विकास खण्ड एवं नगरीय निकायों में शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं से लाभान्वित होने वाले परिवार के लाभ हेतु शिविर का आयोजन किया जावेगा।

जिला अंतर्गत विकास खण्ड एवं नगरीय निकायों में आयोजित किये जाने वाले जनकल्याण शिविर सम्पन्न किए जाएंगे । उन्होने बताया कि जनपद कार्यालय प्रांगण विकासखंड करकेली में 12,13 एवं 14 जून को , स्टेडियम प्रांगण मानपुर में 15,16 एवं 17 जून को, माध्यमिक शाला परिसर अमिलिहा पाली में 16,17 एवं 18 जून को, सामुदायिक भवन लालपुर में 12,13 एवं 14 जून को, गायत्री मंदिर के सामने प्रांगण पाली में 15, 16 एवं 17 जून को, टाउन हाल चंदिया में 16 ,17 एवं 18 जून को , सामुदायिक भवन वार्ड नंबर 7 नौरोजाबाद में 12,13 एवं 14 जून को तथा स्टेडियम प्रांगण मानपुर में 15,16 एवं 17 जून को शिविर आयोजित किए जाएंगे । शिविर के माध्यम से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

कलेक्टर श्रीमती सहाय ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि जन कल्याण शिविर के दौरान विकास खण्ड मुख्यालय , नगरीय निकाय मुख्यालय पर उपस्थित होने वाले ग्रामीणों , नागरिकों के लिए बैठक व्यवस्था यथा पर्याप्त छाया पण्डाल, स्वच्छता, कुर्सी, दरी तथा पेयजल की समुचित व्यवस्था हेतु पानी के टैंकर आदि की सम्पूर्ण व्यवस्था बैठक के पूर्व करना सुनिश्चित करेंगें ।

आयोजित होने वाले शिविरो में जिला स्तर से मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत उमरिया, जनपद पंचायत मानपुर, करकेली पाली में एवं अपर कलेक्टर (राजस्व) उमरिया, नगरीय क्षेत्र नगर पालिका उमरिया, मानपुर, पाली, चंदिया, नौरोजाबाद में उपस्थित होंगे। शिविर में प्राप्त होने वाले आवेदनों के संधारण एवं निराकरण हेतु पृथक-पृथक रजिस्टर संधारित किए जाएंगे, जिनकी प्रतिदिन पोर्टल में अनिवार्य रूप से एन्ट्री की जावे एवं दैनिक रिपोर्ट वरिष्ठ कार्यालयों को भेजी जावे।

### मलजलकर निर्धारण को मिली स्वीकृति

**अमरकंटक।** नगर परिषद अमरकंटक की परिषद बैठक में नगर क्षेत्र में संचालित सीवरेज परियोजना के अंतर्गत मलजलकर (सीवरेज शुल्क) निर्धारण संबंधी महत्वपूर्ण प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। परिषद कार्यालय के सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती पार्वती सिंह ने की।

## पतौर में पुलिया निर्माण के नाम पर 15 लाख की लूट

# दो साल से अधर में लटका काम

### कलेक्टर और सीईओ से उच्च स्तरीय जांच की मांग वन विभाग की भूमिका पर भी उठे गंभीर सवाल

**मानपुर।**

जनपद पंचायत मानपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत पतौर के ग्राम नरवार में भ्रष्टाचार का एक ऐसा जीता-जागता नमूना सामने आया है, जिसे देखकर आप भी दंग रह जाएंगे। यहां के झिरिया नाला में वह भी सीधे जंगल की सीमा के भीतर, एक पुलिया का निर्माण कराकर सरकारी खजाने को खुलेआम चूना लगाया जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, इस तथाकथित विकास कार्य की अनुमानित लागत 15 लाख रुपये से कम नहीं है। विडंबना देखिए कि दो साल से ज्यादा का समय बीत चुका है, लेकिन यह पुलिया आज दिनांक तक अधर में लटकी हुई है। जनता के टैक्स के पैसे से अपनी जेबें भरने का यह खेल सरपंच, सचिव और सब-इंजीनियर की कथित मिलीभगत से धड़ल्ले से चल रहा है।

#### गाइड लाइन की उड़ी धज्जियां

नियम और गाइडलाइन कहते हैं कि किसी भी निर्माण कार्य को शुरू करने से पहले मौके पर निर्माण एजेंसी का बोर्ड (सूचना पटल) लगाना अनिवार्य है। इस बोर्ड पर कार्य की लागत, निर्माण एजेंसी का नाम, और मद का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए ताकि जनता को सच पता रहे। लेकिन पतौर पंचायत के हुक्मरानों ने पारदर्शिता को ही दफन कर दिया। मौके पर कोई बोर्ड नहीं है। यह गोपनीयता साफ गवाही देती है कि दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है। आखिर किस डर से इस निर्माण कार्य की जानकारी को छिपाया जा रहा है?

#### भगवान भरोसे पुलिया का भविष्य

भ्रष्टाचार की हद तो तब पार हो जाती है जब तकनीकी मापदंडों को ताक पर रख दिया जाता है। दो साल बीतने के बाद भी इस पुलिया में न तो रिंगवाल बनाई गई है और न ही रिटर्न बैरियर या क्रॉस वॉल का अता-पता है। हर कोई जानता है कि बरसात के दिनों में झिरिया नाला का बहाव कितना तेज होता है। ऐसे में बिना सुरक्षा दीवारों के खड़ी की गई यह आधी-अधूरी पुलिया कितने दिन टिकेगी, यह तो अब भगवान ही मालिक है। तकनीकी अधिकारियों की मौन स्वीकृति इस बात का प्रमाण है कि उन्हें सिर्फ कागजों पर एस्टीमेट बनाकर अपनी जेबें गर्म करने से मतलब है, जनता के पैसों की बर्बादी से नहीं।

#### चोरी-छिपे जंगल में निर्माण

उक्त पुलिया वन विभाग की सीमा में चोरी-छिपे खड़ी कर दी गई है। मजेदार बात यह है कि निर्माण का ढांचा तो खड़ा कर दिया गया, लेकिन इसके इर्द-गिर्द मिट्टी का भराव आज तक नहीं कराया गया। अगर निर्माण कार्य पूरा हो चुका था, तो मिट्टी डलवाकर आवागमन चालू क्यों नहीं किया गया? पुलिया के आगे नरवार की एक घनी आबादी बसती है, जिसे इस रास्ते की सख्त जरूरत है, लेकिन अफसरों और जनप्रतिनिधियों को जनता की सहूलियत से क्या लेना-देना? उनका मकसद तो बस स्टीमेट पास कराना और राशि आहरित कर बंदरबांट करना था, जो उन्होंने बखूबी कर लिया।

#### वन विभाग की दोहरी नीति

इस पूरे मामले में एक बड़ा झोल और विरोधाभास सामने आया है। सूत्रों के मुताबिक, दो वर्ष पहले इसी नरवार पुलिया के आगे घनी आबादी वाले क्षेत्र में ग्रामीणों के लिए बोर खनन का कार्य किया जा रहा था। तब मानपुर वन विभाग ने सक्रियता दिखाते हुए उसे अपनी सीमा बताकर रोक दिया था। अब सवाल यह उठता है कि जब जनता की प्यास बुझाने वाले बोर खनन पर वन विभाग ने रोक लगा दी थी, तो फिर उसी वन सीमा के भीतर इतनी बड़ी पुलिया का अवैध निर्माण कैसे संभव हो गया? क्या वन विभाग के कारिंदों ने इस भ्रष्टाचार को देखकर अपनी आंखें बंद कर ली थीं?

#### कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ से न्याय की आस

इस घोटाले और लापरवाही को लेकर अब क्षेत्र की जनता में भारी आक्रोश है। जागरूक नागरिकों और ग्रामीणों ने कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय एवं जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ओहरिया से मांग की है कि ग्राम पंचायत पतौर के इस नरवार झिरिया नाला पुलिया निर्माण की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच कराई जाए। मौके का भौतिक सत्यापन कर भ्रष्टाचार की राशि का आकलन हो। दोषी सरपंच, सचिव, इंजीनियर और जनपद के लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक व रिकवरी की कार्रवाई की जाए।

## अमरकंटक में लगेगा विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श एवं रक्तदान शिविर

# विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम देगी सेवाएं

**हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।**

धार्मिक एवं आध्यात्मिक नगरी अमरकंटक में जनसेवा और स्वास्थ्य जागरूकता को समर्पित एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 14 जून रविवार को प्रातः 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक गुरुद्वारा साहिब, अमरकंटक परिसर में आयोजित होगा। शिविर का आयोजन श्री गुरुद्वारा सिख समिति, गुरुद्वारा साहिब अमरकंटक एवं वी वाय हॉस्पिटल, रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। इस जनहितकारी आयोजन का उद्देश्य क्षेत्रवासियों को विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान सुनिश्चित करना है। शिविर में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क परामर्श और जांच की सुविधा प्रदान की जाएगी। विशेष रूप से महिलाओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए मशीन द्वारा स्तन कैंसर जांच (मैमोग्राफी) की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके साथ ही रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया जाएगा, जिससे जरूरतमंद मरीजों को जीवनदायी रक्त उपलब्ध कराने में सहयोग मिल सके। शिविर में आने वाले मरीजों के लिए ब्लड टेस्ट, चश्मा एवं आवश्यक दवाइयों की निःशुल्क व्यवस्था भी की गई है। आयोजकों के अनुसार शिविर में ट्रॉमा एवं अस्थि रोग, जनरल सर्जरी, कैंसर रोग, हृदय रोग, छाती रोग, फिजियोथेरेपी, चर्म रोग, पेट रोग, स्त्री रोग, बाल एवं शिशु रोग तथा नेत्र रोग सहित विभिन्न विभागों के अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे। वी वाय हॉस्पिटल रायपुर के वरिष्ठ चिकित्सकों की टीम मरीजों की जांच कर आवश्यक उपचार संबंधी परामर्श प्रदान करेगी। इससे अमरकंटक एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बड़े शहरों में जाने की आवश्यकता कम होगी तथा उन्हें अपने क्षेत्र में ही विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। आयोजन समिति ने क्षेत्र के नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य जांच कराने एवं रक्तदान जैसे महादान में सहभागी बनने की अपील की है। समिति का कहना है कि ष्रक्तदान महादान है, आपका एक यूनिट रक्त किसी का जीवन बचा सकता है। शिविर में आने वाले सभी मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए लंगर की विशेष व्यवस्था भी रहेगी। पंजीयन एवं अधिक जानकारी के लिए सरदार विनय सिंह से मोबाइल नंबर 7251844950 पर संपर्क किया जा सकता है। यह आयोजन स्वास्थ्य सेवा, मानवता और सामाजिक सरोकारों का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

# पीएम की दीर्घायु के लिए भाजपा ने की विशेष पूजा

## मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने पर हुआ कार्यक्रम

**हरिभूमि न्यूज राजनगर।**

नगर परिषद बनगवां (राजनगर) में केंद्र की भाजपा सरकार के 12 वर्ष के कार्यकाल की पूर्णता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 10 जून को पूरे भारत वर्ष में जहां विशेष पूजा अर्चना कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। कमलेश चतुर्वेदी मंडल अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी मंडल राजनगर के द्वारा वार्ड क्रमांक 12 प्राचीन काली मंदिर कमलनगर (पुराना मुहाडा) मंदिर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें राजनगर मंडल के समस्त वरिष्ठ भाजपा नेता एवं सभी मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बूथ अध्यक्ष, इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम में मंच का संचालन सचिन द्विवेदी महामंत्री द्वारा किया गया। सर्वप्रथम मंदिर में मां काली की पूजा की गई। तत्पश्चात भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चित्र पर सभी कार्यकर्ताओं ने तिलक लगाकर प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्ष का कार्यकाल तथा उनका जन्मदिन मनाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने बीते 12 वर्षों में कई ऐसे फैसले लिए जिन्होंने भारत की राजनीति अर्थव्यवस्था सुरक्षा और सामाजिक व्यवस्था पर गहरा प्रभाव डाला। जिसमें प्रमुख रूप से जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने से लेकर राम मंदिर निर्माण, जीएसटी, तीन तलाक कानून, नई शिक्षा नीति, डिजिटल इंडिया, महिला आरक्षण और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कदमों तक, मोदी सरकार ने कई बड़े निर्णय लिए। इनमें कुछ फैसले ऐसे रहे जिन्होंने दशको पुरानी व्यवस्थाओं को ही बदल दिया। जबकि कुछ ने भारत की वैश्विक छवि और रणनीति स्थिति को मजबूत किया। इस कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता गजेंद्र सिंह सिकरवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि, भारतीय जनता पार्टी भारत देश के साथ विदेश में भी अपना परचम लहरा रही है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस लोकतंत्र में निर्वाचित होकर विगत 4399 दिनों का कार्यकाल पूरा कर प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के लंबे कार्यकाल का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिये। उन्होंने भारतीय राजनीति में ऐतिहासिक उपलब्धि बतायी। प्रधानमंत्री मोदी के लगभग 12 वर्षों के कार्यकाल में देश ने विकास, सुशासन, वैश्विक प्रतिष्ठा, और आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि

पर प्रधानमंत्री को बधाई भी दी। भारत के भीतर अनेक केंद्र सरकार की योजनाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संचालित कराई जा रही है। जिससे समाज के अंतिम व्यक्ति तक उन सभी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। ऐसी अनेक उपलब्धियां सिकरवार द्वारा बताई गई। कार्यक्रम के अंत में शिवमूरत केवट मंडल उपाध्यक्ष द्वारा आभार प्रकट कर कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वरिष्ठ भाजपा नेता हम सभी के मार्गदर्शक गजेंद्र सिंह सिकरवार, धर्मेंद्र सिंह जिला अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा, श्यामसुंदर गौतम, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेंद्र त्रिपाठी, सुरेश गौतम, राजेश कलसा, सचिन द्विवेदी महामंत्री, शिवमूरत केवट उपाध्यक्ष, पार्षद समय लाल पटेल, गिरिजा विश्वकर्मा, मनीष शुक्ला, राजकुमार सिंह, हरिलाल साकेत, छत्रपाल रजक, सज्जन सिंह, शिशुपाल पटेल बुथ अध्यक्ष, पंकज कुमार शर्मा मंडल मीडिया प्रभारी एवं अन्य समस्त जेस्ट, श्रेष्ट, कार्यकर्ता, उपस्थित रहे।

## खबर संक्षेप

### असंगठित श्रमिक 13 जून तक कराए ई-केवाईसी

**कटनी।** नगर पालिक निगम कटनी द्वारा मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना के अंतर्गत पंजीकृत असंगठित श्रमिकों की ई-केवाईसी प्रक्रिया को समय-सीमा में पूर्ण कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस संबंध में निगम प्रशासन द्वारा समस्त वार्ड दरोगाओं एवं प्रभारी वार्ड दरोगाओं को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। उपायुक्त (वित्त) द्वारा जारी पत्र के अनुसार, श्रम विभाग एवं मध्य प्रदेश असंगठित शहरी एवं ग्रामीण कर्मकार कल्याण मंडल के निर्देशानुसार 13 जून 2026 तक सभी पात्र श्रमिकों की ई-केवाईसी सुनिश्चित की जानी है। निर्धारित अवधि के पश्चात जिन श्रमिकों की ई-केवाईसी पूर्ण नहीं होगी, उनके पंजीयन को नियमानुसार निरस्त किया जा सकता है। निगम प्रशासन ने वार्ड स्तर पर कार्यरत अमले को निर्देशित किया है कि वे संबंधित श्रमिकों से संपर्क स्थापित कर उन्हें ई-केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण कराने हेतु प्रेरित करें तथा अभियान की प्रगति पर सतत निगरानी रखें। इसके लिए शेष पात्र श्रमिकों की सूची भी संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध कराई गई है। नगर निगम ने सभी पंजीकृत असंगठित श्रमिकों से अपील की है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण कराकर संबल योजना के अंतर्गत मिलने वाले लाभों का लाभ प्राप्त करें।

### डाकघर आधार महा अभियान 12 जून को

**कटनी।** आधार सेवाओं को सुगम बनाने के उद्देश्य से जिले के डाकघरों में 11 एवं 12 जून को विशेष ₹डाकघर आधार महाअभियान₹ चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत नवीन आधार पंजीयन, आधार कार्ड में सुधार, बायोमेट्रिक अपडेट तथा आधार डेटा में मोबाइल एवं ईमेल लिंक कराने की सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। अभियान के लिए 10 जून को टोकन वितरण किया जा चुका है। इसके अलावा इच्छुक नागरिक ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन भी करवा सकते हैं। टोकन प्राप्त करने हेतु 7587598077 नंबर पर व्हाट्सएप के माध्यम से भी संपर्क किया जा सकता है। अभियान के दौरान सभी आधार सेवा केंद्र प्रातः 8 बजे से सायं 6 बजे तक कार्य करेंगे, जबकि प्रधान डाकघरों में संचालित आधार केंद्रों का समय प्रातः 8 बजे से सायं 8 बजे तक रहेगा। जिले में स्थित प्रमुख आधार सेवा केंद्रों में बाकल, बरही, कटनी सीमेंट फैक्ट्री, कटनी प्रधान डाकघर, कटनी HO2, माधव नगर, कैमोर, निवार, रीठी, सरोली मझगवां, सिहोरा एमडीजी, स्लीमनाबाद, उमरियापान तथा विजयराघवगढ़ डाकघर शामिल हैं। डाक विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने निकटतम डाकघर आधार केंद्र पर पहुंचकर इस विशेष अभियान का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

### 16 जून से 15 अगस्त तक जिले में मत्स्य आखेट प्रतिबंधित

**कटनी।** जिले के सभी प्रकार के जल संसाधनों में 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि में मत्स्य आखेट पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया गया है। कलेक्टर आशीष तिवारी ने इस संबंध में अधिसूचना जारी किया है। वर्षा ऋतु में मत्स्य के वंशवृद्धि (प्रजनन) के दृष्टिकोण से उन्हें संरक्षण देने के लिये मध्यप्रदेश नदी मत्स्योद्योग नियम 1972 की धारा 3(2) के तहत 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि को बंद ऋतु (क्लोज सीजन) के रुप में घोषित किया गया है। इस अवधि में किसी भी प्रकार का मत्स्याखेट, मत्स्य क्रय-विक्रय एवं मत्स्य परिवहन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। नागरिकों से अपील की गई है कि वे न तो स्वयं इन गतिविधियों में शामिल हों और न ही इस कार्य में सहयोग करें। हालांकि छोटे तालाब या अन्य स्त्रोत जिनका कोई संबंध किसी नदी से नहीं हैं और जिन्हें निर्दिष्ट जल की परिभाषा के अंतर्गत नहीं लाया गया है को उनमें यह प्रतिबंध लागू नहीं होगा। इन नियमों के उल्लंघन पर संबंधित व्यक्ति के विरूद्ध मध्यप्रदेश राज्य मत्स्य क्षेत्र संशोधित अधिनियम 1981 की धारा 5 के तहत को एक वर्ष का कारावास या 5 हजार रुपये अर्थदण्ड अथवा दोनों से दण्डित करने का प्रावधान है।

# अतिक्रमण पर चला पीला पंजा: नपा और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई से मुख्य मार्ग हुए जाम मुक्त

बुढ़ार।

नगर की सबसे बड़ी समस्या बन चुके अतिक्रमण और उसके कारण कोतमा रोड़ पर रोज लगने वाले ट्रैफिक जाम से आखिरकार नागरिकों को बड़ी राहत मिली है।

नगर के अतिव्यस्त क्षेत्रों में लंबे समय से निजी मोबाइल, इलेक्ट्रिक, कपड़े, एवं मेडिकल स्टोर के व्यापारियों ने पैर पसारे अतिक्रमणकारियों के खिलाफ नगर पालिका और पुलिस प्रशासन की टीम ने संयुक्त रूप से एक बड़ी और सख्त मुहिम चलाई, जिससे सकरे हो चुके रास्तों को मुक्त करा लिया गया है।

### इन प्रमुख मार्गों से हटा अवैध कब्जा

प्रशासन की टीम पूरे लाम-लश्कर के साथ सड़क पर उतरी। कार्रवाई के दौरान बुलडोजर और जेसीबी मशीनों एवं नगर परिषद के सफाई कामगार की मदद से सड़कों के दोनों ओर व्यापारियों द्वारा किए गए पक्के व कच्चे अवैध निर्माण को ढहा दिया गया। इस कार्रवाई के दायरे में मुख्य रूप से ये मार्ग शामिल रहे:रेलवे ओवर ब्रिज मार्ग,बस स्टैंड क्षेत्र,कोतमा रोड,नगर का मुख्य मार्ग (मेन रोड) में ज्यादातर व्यापारी अपने दुकानों के सामग्री को सड़क में रखकर मार्ग को अवरूद्ध कर रहे थे।

### मौके पर डटे रहे जिम्मेदार अधिकारी

सड़क को जाम मुक्त कराने की इस बड़ी कार्रवाई के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने और निष्पक्षता से काम करने के लिए प्रशासन के आला अधिकारी खुद मौके पर मौजूद रहे। नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार और मुख्य नगरपालिका अधिकारी सौरभ श्रीवास्तव के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने बिना किसी दबाव के इस कार्रवाई को अंजाम दिया। साथ में सहयोगी पुलिस एवं नगर परिषद की टीम मौके पर डटे रहे।

प्रशासन की चेतावनी:अतिक्रमण मुहिम के बाद पुलिस एवं नगरीय प्रशासन के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि दुकानदारों या अन्य व्यवसायियों द्वारा दोबारा सड़कों पर सामान फैलाया गया या अवैध कब्जा करने की कोशिश की गई, तो न सिर्फ सामान जब्त किया जाएगा बल्कि सख्त कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

इस कार्रवाई से स्थानीय निवासियों और राहगीरों ने राहत की सांस ली है, क्योंकि इन व्यस्त मार्गों पर अतिक्रमण के चलते पैदल चलना भी दूभर हो गया था और कोतमा रोड़ पर प्रतिदिन वाहनों की धमाचौकड़ी से राहगीरों को जाम में फंसे रहने से निजात मिलेगी। यदि इस पर नियमित ध्यान नहीं दिया गया तो पहले जैसी स्थिति निर्मित हो सकती है।फूट पाती सब्जी विक्रेता जो रेल्वे स्टेशन जाने वाले मार्ग पर सुबह-शाम सड़क पर दुकान सजाकर व्यापार करते हैं उन्हें व्यावसायिक स्थल पर भेजने का नगर परिषद प्रयास करें तभी यह मिशन कामयाब होगा।

## प्रधानमंत्री ने बनाया सबसे लंबे समय तक पीएम रहने के रिकॉर्ड, नगर में पूजा पाठ और जश्न

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत के लगातार सबसे लंबे समय 4399 तक प्रधानमंत्री रहने का कीर्तिमान स्थापित करने एवं राष्ट्रसेवा के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार को मध्य प्रदेश शासन के मंत्री दिलीप जायसवाल, भाजपा कार्यकर्ता एवं श्रद्धालुओं ने श्रीआदि शक्ति पंचायती मंदिर में पूजा अर्चना कर उनकी दीर्घायु एवं लंबे सफल नेतृत्व काल के लिए प्रार्थना की। इस दौरान नगर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। भक्तों द्वारा जय श्री राम के जयघोष भी जमकर लगाए। इस मौके पर मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि, आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने पूरे देश में एक नया इतिहास लिखा है। आज पूरे देश की जनता का जो आशीर्वाद और विश्वास पीएम मोदी को मिला है, यह उसी की ताकत है। पीएम का यशस्वी नेतृत्व हमें इसी तरह मिलता रहे, वो दीर्घायु हो, उन्होंने गरीबों की चिंता की है। प्रधानमंत्री के 12 वर्षों का कार्यकाल भारत के विकास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला रहा है। देश को नई दिशा देने का कार्य किया है और आज भारत विश्व मंच पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान बना चुका है।अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण संभव हुआ, जो देश के करोड़ों लोगों की आस्था का प्रतीक है। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाकर राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया गया तथा तीन तलाक जैसी कुप्रथा को समाप्त कर मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिलाया गया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल बना रहा।

## बुढ़ार पुलिस की बड़ी कार्रवाई: नाबालिग से दुष्कर्म का मुख्य आरोपी और सहयोगी महिला गिरफ्तार

बुढ़ार।

मध्य प्रदेश के शहडोल जिले की बुढ़ार पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगाने और उसके साथ दुष्कर्म करने वाले मुख्य आरोपी सहित एक महिला सहयोगी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

### क्या है पूरा मामला?

नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार ने बताया कि मामला अप्रैल महीने का है। पिछले 13 अप्रैल 2026 को फरियादी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी 15 वर्षीय नाबालिग पुत्री को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए बुढ़ार पुलिस ने तत्काल अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

### नाबालिग की सुरक्षित बरामदगी और बयानों में खुलासा

पुलिस ने मामले में सक्रियता दिखाते हुए पूर्व में ही नाबालिग बालिका को सकुशल व सुरक्षित बरामद (दस्तयाब) कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया था। दस्तयाबी के बाद जब पीड़ति के बयान दर्ज किए गए, तो उसने चौंकाने वाली बातें सामने आई पीड़ति ने बताया कि राहुल नायक नाम का युवक उसे बहला-फुसलाकर भगा ले गया था और उसने उसके साथ दुष्कर्म किया था।पीड़ति के बयानों के आधार पर पुलिस ने मामले की गंभीरता को बढ़ाते हुए भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 137(2) के अतिरिक्त धारा 86, 87, 124(2)(4), 64(एम) और 3(5) का इजाफा किया।

### छत्तीसगढ़ और शहडोल से हुई आरोपियों की गिरफ्तारी

थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दिनांक 09 जून 2026 को मुख्य आरोपी और उसकी सहयोगी महिला को धरदबोचा। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में राहुल नायक (पिताः लखन नायक), निवासीः ग्राम तेन्दुआ ओवर ब्रिज, थाना उरला, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) – मुख्य आरोपी,रेशमा नायक (पतिः गोपाल नायक), निवासीः नायक मोहल्ला, ग्राम नौगई, थाना बुढ़ार, जिला शहडोल सह-आरोपी,को गिरफ्तार किया।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका,इस अपहरण और दुष्कर्म जैसे संवेदनशील मामले का त्वरित खुलासा करने में बुढ़ार थाना प्रभारी निरीक्षक विनय सिंह गहरवार के नेतृत्व में उपनिरीक्षक (उ.नि.) गोविन्द भगत, महिला प्रधान आरक्षक (म.प्र.आर.) सरिता सिंह, आरक्षक अमर बागरी एवं आरक्षक महेन्द्र की सराहनीय और सक्रिय भूमिका रही।

## मोहर्रम और लंगर के लिए अधिवक्ता विश्वेश पटेल ने दी अपनी भूमि, 13 वर्षों से दे रहे निरंतर सहयोग

बुढ़ार।

आधुनिक समाज में जहां कभी-कभी दूरियां देखने को मिलती हैं, वहीं मध्य प्रदेश के बुढ़ार से सांप्रदायिक सौहार्द, हिंदू-मुस्लिम एकता और आपसी भाईचारे की एक बेहद खूबसूरत तस्वीर सामने आई है। क्षेत्र के समाजसेवी एवं अधिवक्ता विश्वेश पटेल पिछले 13 वर्षों से मोहर्रम के अवसर पर आयोजित होने वाली ताज़ियादारी एवं आम लंगर कार्यक्रम में अपना निरंतर सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं बुढ़ार के प्रथम विधायक स्व श्री सरस्वती प्रसाद पटेल के पौत्र, अधिवक्ता विश्वेश पटेल ने इस वर्ष भी अपनी कौमी एकता की परंपरा को जीवित रखा है। उन्होंने हुसैनी ताज़ियादारी कमेटी के विशेष अनुरोध पर वार्ड क्रमांक 11 में चंदू भाई के घर के सामने स्थित अपनी निजी भूमि को मोहर्रम के आयोजन के लिए सहर्ष सौंप दिया है।

### 16 से 27 जून तक सजेंगे ताज़िए, सर्वधर्म लंगर का होगा आयोजन

यह भूमि आगामी 16 जून 2026 से 27 जून 2026 तक मोहर्रम की

ताज़ियादारी और आम लंगर कार्यक्रम के भव्य आयोजन के लिए उपयोग की जाएगी। भूमि उपलब्ध कराने के साथ-साथ विश्वेश पटेल ने कार्यक्रम को सुचारू और सफल बनाने के लिए हर वर्ष की तरह इस बार भी अपनी ओर से आर्थिक सहयोग प्रदान किया है।

### कमेटी ने जताया आभार, कहा- 'यही है असली इंसानियत'

हुसैनी ताज़ियादारी कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि कमेटी के सचिव नसीर राजा एवं शमशेर (बंटू) भाई के अनुरोध को स्वीकार करते हुए विश्वेश पटेल ने बिना किसी झिझक के यह सहयोग दिया। उनके इस कदम से मोहर्रम के दौरान आयोजित होने वाले धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों के संचालन में कमेटी को बहुत बड़ी सहायता मिलती है। विश्वेश पटेल का यह सहयोग केवल एक आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव, भाईचारे और सदियों पुरानी गंगा-जमुनी तहज़ीब को और अधिक मजबूत करने का एक बड़ा संदेश देता है। मोहर्रम के दौरान यहाँ आयोजित होने वाले आम लंगर में सभी धर्मों एवं समुदायों के लोग एक साथ बैठकर भोजन करते हैं, जो हमारी एकता और इंसानियत का सबसे बड़ा प्रमाण है।हुसैनी ताज़ियादारी कमेटी

### दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना

कमेटी के तमाम सदस्यों और स्थानीय नागरिकों ने समाजसेवी श्री पटेल के इस सराहनीय और प्रेरणादायी सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया है। कमेटी ने उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करते हुए कहा कि ऐसे ही निस्वार्थ प्रयास समाज में आपसी ताने-बाने को हमेशा मजबूत बनाए रखेंगे।

## प्रदेश अध्यक्ष संगीता कांकरिया एवं संभागीय प्रभारी संध्या वर्मा का संयुक्त दौरा कार्यक्रम संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

11 जून मध्य प्रदेश में महिला कांग्रेस सेवादल को सशक्त एवं मजबूत बनाने के लिए नवनियुक्त प्रदेश महिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष संगीता कांकरिया एवं प्रदेश सचिव संध्या वर्मा का शहडोल संभाग का संगठनात्मक कार्यक्रम के तहत अनूपपुर स्थित राजीव कांग्रेस भवन में महिला सेवादल कार्यकर्ताओं की बैठक संपन्न हुई अनूपपुर पहुंचने पर संगीता कांकरिया का स्वागत शाल श्रीफल एवं सूत की माला एवं सेवादल की टोपी पहनाकर किया गया। इस अवसर पर श्रीमती कांकरिया ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं डॉ हार्डिकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कांग्रेस सेवादल की सभी महिला एवं पुरुष कार्यकर्ताओं से व्यक्तिगत चर्चा कर नया नेतृत्व तलाशने का काम किया वहीं भाजपा की केंद्र सरकार द्वारा कांग्रेस महिला नेतृत्व मीनाक्षी नटराजन के राज्यसभा नामांकन रद्द होने पर करारा प्रहार करते हुए भाजपा को कानून एवं संविधान विरोधी बताया वहीं महिलाओं से निवेदन करते हुए कहा कि अब घर से निकलकर विरोध करने की आवश्यकता है बढ़ते अपराध और महंगाई वादा खिलाफी वाली सरकार का पुरजोर विरोध करना जरूरी है और इनको जड़ से उखाड़ना जरूरी है। कार्यक्रम में प्रीति रमेश सिंह जिला पंचायत अध्यक्ष ने सेवादल के प्रत्येक कार्यकर्ताओं का अभिवादन करते हुए कांग्रेस को मजबूत करने पर

जोर दिया कांग्रेस की अध्यक्षता एवं संचालन कर रहे जिला सेवादल अध्यक्ष डॉक्टर एहसान अली अंसारी द्वारा कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया सभा को प्रदेश महिला सचिव संध्या वर्मा, श्रीमती आशा वर्मा, यंग ब्रिगेड जिला अध्यक्ष मोहम्मद सफीर, आशीष त्रिपाठी, जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा, रजन राठौर, संतोष राठौर, प्रदीप मिश्रा मीडिया प्रभारी, रविंद्र सुखाड़िया, बृजलाता मिश्रा, दीपिका साहू ने संबोधित किया वहीं युवाओं ने कांग्रेस सेवादल की सदस्यता ग्रहण की जिसमें बरगवां अमलाई नगर परिषद से अनिकेत मिश्रा, आयुष गुप्ता, आयुष मिश्रा, शिवांश मिश्रा, चंद्रकांत गुप्ता, प्रेमलाल केवट सहित प्रमुख कार्यकर्ताओं ने सदस्यता ग्रहण किया वहीं जिले के कोने-कोने से महिला एवं सेवादल प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में शिरकत किया जिसमें प्रेमवती पासी, रुक्मणी कोल, डॉ रवि प्रकाश राठौर, टीकम दास जाटव, देववती राठौर, द्रोपती राठौर, ज्योति राठौर, जयमतिया राठौर, मीडिया आईटी सेल नीलू सिंह, अजय सिंह, श्रीमती फूलमती वानखेड़े, सुखवरिया केवट, सुनीता निषाद, मीना वर्मा, मोहम्मद इरफान, रानू पासी, सहेंद्र बसोर पार्षद कोतमा आदि सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम एवं समापन राष्ट्रगान से हुआ।

## बारिश में नल जल योजना के कार्य को बंद करने का दिये आदेश, ग्रामीणों में आक्रोश

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिलौड़ी

सिलौंडी में जल जीवन मिशन का कार्य शुरू है गांव की गलियों में खुदाई कर पाइप लाइन डालने का कार्य किया जा रहा है । टंकी निर्माण कार्य के साथ सम्प वेल का कार्य भी चालू है साथ में बहुत तेजी से पाइप लाइन बिछाने का कार्य भी चल रहा है । लोगों में खुशी है कि जल्दी ही घर घर जल पहुंच जाएगा। ऐसी स्थिति में विभाग ने ठेकेदार को कार्य बंद करने का आदेश दिया है , जिससे ग्राम वासियों में असंतोष व्याप्त है।

सिलोंडी सरपंच पंचों बाई संतोस बर्मन का कहना है की ठेकेदार के द्वारा बहुत तेजी से सभी साइड में कार्य किया जा रहा है सभी कार्य उच्च गुड वत्ता के साथ किये जा रहा है।

## खबर संक्षेप

### थाना प्रभारी के घर के सामने से लाखों की केबल चोरी, पुलिस व्यवस्था पर उठे सवाल

**अनूपपुर।** जिले के भालूमाड़ा थाना क्षेत्र में अपराधों के बढ़ते ग्राफ ने पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ताजा मामला 10 जून की रात्रि का है, जब अज्ञात चोरों ने थाना प्रभारी के निवास के सामने स्थित एसईसीएल के बैंकिंग विहार गेस्ट हाउस परिसर से लाखों रुपये मूल्य की लगभग 35 से 40 मीटर मोटी विद्युत केबल काटकर पार कर दी। हैरत की बात यह है कि जिस स्थान पर चोरी हुई, वहां थाना प्रभारी का निजी वाहन नियमित रूप से खड़ा रहता है, इसके बावजूद चोर बेखौफ होकर वारदात को अंजाम देने में सफल रहे। चोरी की इस घटना के कारण कई घंटों तक विद्युत आपूर्ति बाधित रही, जिससे एसईसीएल बैंकिंग विहार में आयोजित बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रभावित हुआ। घटना ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलते हुए यह सवाल खड़ा कर दिया है कि जब थाना प्रभारी के निवास के सामने ही चोरी हो सकती है, तो आम नागरिकों की सुरक्षा कितनी सुरक्षित है। क्षेत्रीय नागरिकों का आरोप है कि भालूमाड़ा थाना क्षेत्र में जुआ, सट्टा, कबाड़, चोरी और अन्य आपराधिक गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन पुलिस प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में नाकाम साबित हो रही है। लोगों का कहना है कि अपराधियों में पुलिस का भय समाप्त होता जा रहा है, जिसके चलते उनके हौसले लगातार बुलंद हो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने थाना प्रभारी उमेश उपाध्याय की कार्यशैली पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि फरियादियों की शिकायतों पर समय पर कार्रवाई नहीं होती और कई मामलों में पीड़ितों को न्याय के लिए भटकना पड़ता है। नागरिकों का कहना है कि पुलिस की निष्क्रियता का लाभ उठाकर अपराधी लगातार घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। लोगों ने पुलिस अधीक्षक से मामले की गंभीरता से जांच कर दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी तथा क्षेत्र में बढ़ते अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने की मांग की है। साथ ही पुलिस व्यवस्था में सुधार और जवाबदेही तय करने की आवश्यकता भी जताई जा रही है। अब बड़ा सवाल यह है कि जब थाना प्रभारी के घर के सामने से लाखों रुपये की केबल चोरी हो सकती है, तो आम जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन निभाएगा।

### भगवान जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव की तैयारियों को लेकर 14 जून को बैठक

**अनूपपुर।** भगवान श्री जगन्नाथ जी की विश्वप्रसिद्ध रथयात्रा महोत्सव के आयोजन को लेकर अनूपपुर में तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। गत वर्ष की भव्य सफलता के पश्चात इस वर्ष भी इस्कॉन अनूपपुर द्वारा समस्त भगवद्भक्तों, श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों के सहयोग से 16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ, बलदेव एवं सुभद्रा महारानी की भव्य रथयात्रा का आयोजन किया जाएगा। रथयात्रा महोत्सव की तैयारियों, विभिन्न सेवाओं के समन्वय एवं कार्यक्रम की रूपरेखा को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से 14 जून (रविवार) को प्रातः 10 बजे से 11 बजे तक इस्कॉन अनूपपुर केंद्र में एक विशेष बैठक आयोजित की जाएगी। आयोजन समिति एवं इस्कॉन अनूपपुर के प्रतिनिधियों ने नगर के सभी भक्तों, समाजसेवियों, शुभचिंतकों तथा रथयात्रा महोत्सव से जुड़े सेवकों से बैठक में उपस्थित होकर अपने सुझाव एवं सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया है। समिति का मानना है कि जनसहभागिता और सामूहिक प्रयासों से ही रथयात्रा महोत्सव को अधिक भव्य, सुव्यवस्थित एवं सफल बनाया जा सकता है।

## अमरकंटक में फूटा जनाक्रोश, सड़क पर उतरे पीड़ित परिवार

# गरीबों के आशियानों पर बुलडोजर, बड़े कब्जों पर खामोशी?

**प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल**

अमरकंटक में नगर परिषद की अतिक्रमण हटाओ कार्यवाही अब गरीब बनाम व्यवस्था की बहस में बदलती दिखाई दे रही है। वार्ड क्रमांक 14 में कच्चे मकानों, झोपड़ियों और बाड़ियों पर चली जेसीबी के बाद पीड़ित परिवार सड़क पर उतर आए रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि बिना पूर्व सूचना गरीबों के आशियाने उजाड़ दिए गए, जबकि नगर में वर्षों से खड़े बड़े निर्माणों और कथित अवैध कब्जों पर प्रशासन की नजर नहीं पड़ती है। यही सवाल अब जनाक्रोश का कारण बन गया है।

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।** जिले के अमरकंटक में हुई बुलडोजर कार्यवाही का विरोध अब लगातार बढ़ता जा रहा है। जिन परिवारों के कच्चे मकान और झोपड़ियां तोड़ी गईं, उनके समर्थन में स्थानीय लोग भी खुलकर सामने आने लगे हैं। दूसरे दिन लगभग 35 लोगों ने नर्मदा मंदिर जाने वाले मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया हालांकि पानी हवा से प्रदर्शन समाप्त हो गया लेकिन पीछे छोड़ गया कई बड़े सवाल। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि कार्यवाही से पहले न तो कोई प्रभावी सूचना दी गई और न ही प्रभावित परिवारों को अपना पक्ष रखने का अवसर मिला है। सबसे बड़ा आरोप यह है कि नगर में कथित रूप से कई बड़े होटल, आश्रम, रेस्टोरेंट और व्यावसायिक निर्माण मौजूद हैं, लेकिन कार्यवाही केवल गरीबों की बस्तियों तक सीमित दिखाई देती है। यही कारण है कि मामला अब केवल अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही नहीं बल्कि प्रशासनिक निष्पक्षता, समानता और जवाबदेही का प्रश्न बन गया है। लोगों का कहना है कि कानून सबके लिए बराबर होना चाहिए, न कि केवल कमजोर वर्ग के लिए।

### गरीबों के टूटे आशियाने

अमरकंटक वार्ड क्रमांक 14 में हुई कार्यवाही के बाद कई परिवारों के सामने छत का संकट खड़ा हो गया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जिन झोपड़ियों और कच्चे मकानों को हटाया गया, उनमें रहने वाले परिवार आर्थिक रूप से कमजोर हैं। कई लोग मजदूरी कर अपना जीवनयापन करते हैं। उनका आरोप है कि प्रशासन ने मानवीय पक्ष को नजरअंदाज करते हुए सीधे बुलडोजर चलाया है। अब प्रभावित परिवार अपने आशियाने वापस नहीं, बल्कि न्याय और समान व्यवहार की मांग कर रहे हैं।

### बड़े निर्माणों पर कार्यवाही नहीं?

प्रदर्शनकारियों के आरोपों का केंद्र यही सवाल है कि यदि अतिक्रमण हटाने का अभियान चल रहा है तो फिर नगर के सभी कथित अवैध निर्माणों पर समान कार्यवाही क्यों नहीं हो रही है। लोगों का कहना है कि बड़े होटल, आश्रम, व्यावसायिक प्रतिष्ठान और प्रभावशाली लोगों के निर्माण वर्षों से खड़े हैं। यदि वे भी नियमों के दायरे में आते हैं तो प्रशासन को उन पर भी कार्यवाही करनी चाहिए। इसी कथित असमानता ने लोगों के मन में पक्षपात की आशंका पैदा कर दी है।

### बिना सूचना कार्यवाही का आरोप

पीड़ित परिवारों का आरोप है कि कार्यवाही से पहले उन्हें पर्याप्त समय और स्पष्ट सूचना नहीं दी गई रही है कई लोग उस समय अपने घरों पर भी मौजूद नहीं थे और लौटने पर उन्हें टूटी हुई झोपड़ियां और बिखरा सामान मिला है। यदि यह आरोप सही हैं तो यह प्रशासनिक प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े करता है। किसी भी कार्यवाही में प्रभावित पक्ष को सुनने और तैयारी का अवसर देना सुशासन का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। इसी बिंदु को लेकर विरोध लगातार बढ़ रहा है।

### विधायक ने भी उठाए सवाल

पुष्पराजगढ़ विधानसभा के कांग्रेस विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने इस कार्यवाही को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि यदि कहीं अवैध कब्जे हैं तो कार्यवाही निष्पक्ष और समान रूप से होनी चाहिए रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्षों तक निर्माण होने दिए जाते हैं और बाद में केवल कमजोर वर्गों पर कार्यवाही होती है। विधायक के बयान के बाद यह मामला प्रशासनिक विवाद से निकलकर राजनीतिक चर्चा का विषय भी बन गया है।

### जवाब से बचते अधिकारी, अविश्वास

पूरे मामले में जब प्रशासनिक पक्ष जानने का प्रयास किया गया तो जिम्मेदार अधिकारी खुलकर प्रतिक्रिया देते नजर नहीं आए है इससे लोगों के बीच और अधिक सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रशासन की जिम्मेदारी केवल कार्यवाही करना नहीं बल्कि उसके पीछे के कारणों और प्रक्रिया को भी स्पष्ट करना है। यदि कार्यवाही नियमों के अनुरूप हुई है तो उसे सार्वजनिक रूप से बताया जाना चाहिए न कि सिर्फ कोरम भरकर अपनी पीठ थपथपाते, पारदर्शिता की कमी ही किसी भी प्रशासनिक निर्णय पर अविश्वास और विवाद को जन्म देती है। अमरकंटक का यह मामला केवल अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही तक सीमित नहीं रह गया है। यह सवाल खड़ा कर रहा है कि क्या कानून का डंडा सबके लिए बराबर है, या फिर उसकी मार केवल कमजोर और गरीब वर्ग तक ही सीमित रह जाती है। अब लोगों की नजर प्रशासन के अगले कदम और पीड़ित परिवारों को मिलने वाले न्याय पर टिकी हुई है।

# 10 दिनों के मध्य सांप के काटने से पांच पीड़ित करा रहे हैं उपचार, दो की मौत

**कलेक्टर ने सर्प पीड़ितों को समय पर अस्पताल पहुंच उपचार कराने की कि अपील**

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।** भीषण गर्मी एवं बीच-बीच में हो रही अचानक वर्षा के कारण जमीन के अंदर रह रहे विभिन्न तरह के सांप आहार की तलाश में ज्यादा संख्या में जमीन से निकलकर विचरण करना प्रारंभ कर दिए हैं जिससे सांप के काटने की घटनाओं में बढ़ोतरी देखी गई है विगत 10 दिनों के मध्य सांपों के काटने से पांच पीड़ित मरीजों का जिला चिकित्सालय में उपचार किया गया जबकि विलंब से अस्पताल पहुंचने पर सांप के काटने से पीड़ित दो की मौत हो गई, जिला मुख्यालय के सर्प प्रहरियों ने 10 दिनों के मध्य 25 सर्पो का सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा है, अनूपपुर कलेक्टर ने सांप काटने से पीड़ितों को समय पर शासकीय अस्पतालों में उपचार हेतु लाकर उपचार कराये जाने की अपील आमजनो से की है। भीषण गर्मी होने, समय समय पर अचानक बरसात होने के कारण जमीन के अंदर रह रहे विभिन्न तरह के सर्पो एवं कीड़े-मकोड़े अचानक ज्यादा संख्या में आहार की तलाश में जमीन से बाहर निकल कर विचरण कर रहे हैं, जहरीले सांपों के काटने से पीड़ित पांच मरीज 10 दिनों के मध्य जिला मुख्यालय अनूपपुर में उपचार हेतु भर्ती होने पर चिकित्सको द्वारा उपचार किया जा रहा है जबकि सांप काटने की घटना के बाद विलंब से अस्पताल पहुंचने पर एक युवक एवं एक बालक दो मरीजों की सांप काटने से उपचार दौरान मृत्यु हुई, जिला मुख्यालय अनूपपुर सहित अनूपपुर जिले में स्वेक्षिक रूप से सर्पप्रहरी सर्पमित्रों के द्वारा आम जनों के घर एवं घरों के आसपास आहार की तलाश में आ रहे सांपों का सुरक्षित रेस्क्यू का स्वतंत्र विचरण हेतु वन क्षेत्र में छोड़ने का कार्य कर रहे हैं। विगत 10 दिनों के मध्य जिला मुख्यालय अनूपपुर के सर्पमित्र एवं सर्पप्रहरी शशिधर अग्रवाल, छोटेलाल यादव, मनोज यादव, धर्मेंद्र यादव एवं लालदास सिंह के द्वारा 25 सांपों को जिसमें सर्वाधिक अत्यंत जहरीला कोबरा नांग प्रजाति के 11, अत्यंत जहरीले करैत (डंडा करायल) प्रजाति के तीन, रसल वाईपर प्रजाति के एक, बांडेड करैत (अहिराज) प्रजाति के एक सहित अजगर, दामन (असढिया), गोह, तिरिच आदि सामान्य सर्पो को आम जनों के घरों एवं घर के आसपास विचरण करने दौरान देखे जाने पर सर्प प्रहरियों को सूचित किए जाने से समय पर पहुंचकर रेस्क्यू कर स्वतंत्र विचरण हेतु वन क्षेत्र में छोड़ा गया है। अनूपपुर कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिले के आम जनों से वर्षा काल के दौरान आहार की तलाश में निकलते विभिन्न प्रजाति के सांपों से बचने के उपायो का प्रयोग करने सांप के काटने से पीड़ित मरीजों को समय पर शासकीय चिकित्सालयो में उपचार हेतु लाकर उपचार कराए जाने अपील करते हुए जिले के सभी शासकीय चिकित्सालयो में पर्याप्त मात्रा में सांप के काटने से संबंधित औषधीयो का पर्याप्त संख्या में भंडारण रखने चिकित्सकों एवं चिकित्सा स्टाफ को सांपो से पीड़ित मरीजों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समय पर उपचार किए जाने के निर्देश दिए गये है।

# इंची टेप से नप गई विवादित जमीन

### मीडिया के सवालों पर भड़के तहसीलदार
### पाटन में राजस्व कार्यवाही पर उठे गंभीर सवाल

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।** जिले के जैतहरी तहसील के ग्राम पाटन में भूमि विवाद के निराकरण को लेकर की गई राजस्व मौका जांच कार्यवाही अब विवादों के केंद्र में आ गई है। आरोप है कि पद प्रभारी तहसीलदार ने विवादित जमीन की नपती इंची टेप और स्केल के सहारे कर मौके पर पंचनामा तैयार कर दिया है। जबकि मामला न्यायालय और उच्च अधिकारियों के समक्ष विचाराधीन बताया जा रहा है। मीडिया द्वारा प्रक्रिया को लेकर सवाल पूछे जाने पर अधिकारी का रवैया भी चर्चा का विषय बन गया है। जिले के जैतहरी तहसील के ग्राम पाटन में दो पक्षों के बीच भूमि विवाद कई महीनों से चला आ रहा है। दोनों पक्ष राजस्व कार्यालयों से लेकर न्यायालयों तक न्याय की गुहार लगा रहे हैं। एक पक्ष ने जिला एवं सत्र न्यायालय अनूपपुर तथा अपर कलेक्टर न्यायालय अनूपपुर का दरवाजा खटखटाया है, जबकि दूसरे पक्ष ने जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद मौके पर पहुंचे पद प्रभारी तहसीलदार ने विवादित भूमि की नपती कर मौका जांच कार्यवाही शुरू की और पंचनामा तैयार कर जबजस्ती गवाही को हस्ताक्षर करके को कहा। यहीं से विवाद खड़ा हो गया, ग्रामीणों और प्रभावित पक्षों का आरोप है कि सीमांकन जैसी संवेदनशील प्रक्रिया में आवश्यक तकनीकी उपकरणों और राजस्व अभिलेखों का समुचित उपयोग नहीं किया गया है। दूसरी ओर मीडिया द्वारा पूछे गए सवालों पर अधिकारी का नाराज होना और स्पष्ट जवाब देने से बचना भी संदेहों को और गहरा कर रहा है। अब यह मामला केवल जमीन विवाद नहीं बल्कि प्रशासनिक पारदर्शिता और राजस्व प्रक्रिया की विश्वसनीयता का विषय बन गया है।

### सीमांकन की प्रक्रिया पर उठे सवाल

राजस्व नियमों के अनुसार किसी भी विवादित भूमि के सीमांकन में खसरा, नक्शा, फील्ड बुक, स्थायी चिन्ह और विभागीय मापन उपकरणों का उपयोग महत्वपूर्ण माना जाता है। लेकिन पाटन में हुई मौका जांच कार्यवाही को लेकर आरोप है कि केवल इंची टेप और स्केल के सहारे जमीन की नपती कर दी गई है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या पूरी प्रक्रिया राजस्व विभाग के मानकों के अनुरूप अपनाई गई थी या नहीं। यही मुद्दा अब विवाद का मुख्य कारण बन गया है।

### न्यायालय में विचाराधीन मामले में जल्दबाजी क्यों?

भूमि विवाद से जुड़ा मामला पहले से ही न्यायालय और उच्च राजस्व अधिकारियों के समक्ष विचाराधीन बताया जा रहा है। ऐसे में मौके पर जाकर सीमांकन जमीन नपित और पंचनामा तैयार करने की प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो रहे हैं। कानूनी जानकारों का मानना है कि न्यायिक प्रक्रिया के दौरान प्रशासनिक कार्यवाही में अतिरिक्त सावधानी अपेक्षित होती है। यदि किसी पक्ष को यह महसूस हो कि उसकी बात सुने बिना निर्णयात्मक कार्यवाही की गई है तो इससे विवाद और अधिक जटिल हो सकता है।

### मीडिया के सवालों से क्यों असहज हुए अधिकारी?

लोकतंत्र में मीडिया जनता और प्रशासन के बीच जवाबदेही का माध्यम माना जाता है। जब किसी सरकारी कार्यवाही को लेकर सवाल उठते हैं तो संबंधित अधिकारी से पारदर्शी जवाब की अपेक्षा की जाती है। पाटन मामले में मीडिया द्वारा पूछे गए सवालों पर पद प्रभारी तहसीलदार के नाराज होने और कथित तौर पर कोर्ट में आने की बात कहने से चर्चा तेज हो गई है। यदि कार्यवाही नियमों के अनुसार हुई थी तो तथ्यों के साथ जवाब देने से विवाद स्वतः समाप्त हो सकता था।

### क्या राजस्व विभाग के पास हैं स्पष्ट मापदंड?

सीमांकन और भूमि मापन के लिए विभागीय दिशानिर्देश पहले से निर्धारित हैं। आधुनिक समय में कई स्थानों पर जीपीएस, टोटल स्टेशन मशीन और तकनीकी सर्वे पद्धतियों का उपयोग किया जा रहा है। ऐसे में यदि किसी संवेदनशील विवाद में पारंपरिक और सीमित साधनों से नपती की जाती है तो उसकी विश्वसनीयता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। प्रशासन के लिए यह आवश्यक है कि वह स्पष्ट करे कि मौके पर कौन-कौन से अभिलेख और मापन विधियां उपयोग में लाई गईं है हम आपको बता दे कि मैके पर सिर्फ नक्शा, नक्शा मापन के लिए एक स्केल और जमीन मापन में लिए इंची टेप और बिना सरकारी चिन्हित पत्थर के सहारे जमीन का माप तय कर दिया गया जो विवाद को और गहरा बनाता है। जिसमें कल को जानमाल का भी खतरा सामने आने की संभावना निर्मित इस मौका जांच से हो सकती हैं।

**आम सूचना**

प्रकरण क्रमांक MJC/SUC/10/2026 धारा-372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम-1925 की इश्तेहार प्रकाशन किये जाने बाबत्

उपरोक्त विषयांतर्गत उल्लेख है कि माननीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड कोतमा के समक्ष नानबाई उर्फ सुनीता व अन्य बनाम सूरज सिंह व अन्य के संबंध मे उत्तराधिकार हेतु माननीय न्यायालय के समक्ष वाद विचाराधीन है जिसमे अनावेदक क्रं.-08 के रूप मे अन्य जनसाधारण जो वाद से संबंधित के लिए इश्तेहार प्रकाशन आवश्यक है जिससे आमजन को सूचना प्राप्त हो और प्रकरण के निराकरण मे न्यायिक कार्यवाही की जा सके तथा उक्त प्रकाशन के बाद प्रकरण मे किसी भी प्रकार से संबंधित जनसाधारण को नही सुना जायेगा तथा समाचार पत्र की एक प्रति समाचार पत्र इस न्यायालय मे तारीख पेशी दिनांक-25/06/2026 के पूर्व भेजे।

(सील) अरविंद कुमार बारला
व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड
कोतमा जिला- अनूपपुर (म.प्र.)

# ग्राम सभा के फैसले पर विभाग ने फेरा पानी

### रानी सागर बांध लीज विवाद पर 500 ग्रामीणों का हंगामा

**अनूपपुर।** जनपद पंचायत जैतहरी अंतर्गत ग्राम पंचायत मुंडा में रानी सागर बांध की लीज को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। ग्राम सभा के प्रस्ताव की अनदेखी से नाराज लगभग 500 ग्रामीणों ने पंचायत कार्यालय में ताला जड़कर विरोध प्रदर्शन किया है। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम सभा में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर रानी सागर बांध को तीपन मछुआ समिति को मत्स्य पालन हेतु लीज पर दिए जाने की अनुशंसा की गई थी, लेकिन संबंधित विभाग ने ग्राम सभा के निर्णय को नजरअंदाज करते हुए बांध की लीज सिंह वाहिनी समिति को प्रदान कर दी है। इस निर्णय के विरोध में ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और तीपन मछुआ समिति के सदस्यों ने पंचायत कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया और कार्यालय में ताला लगा दिया। इसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत राज व्यवस्था में ग्राम सभा सर्वोच्च इकाई मानी जाती है और उसके प्रस्तावों का सम्मान किया जाना चाहिए। उनका आरोप है कि स्थानीय जनता की राय को दरकिनार कर लिया गया, जिससे लोगों में भारी नाराजगी है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की है कि सिंह वाहिनी समिति को जारी किया गया पट्टा तत्काल निरस्त किया जाए और रानी सागर बांध का आवंटन ग्राम सभा के प्रस्ताव के अनुरूप किया जाए। ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा है कि जब तक विवादित पट्टा निरस्त नहीं किया जाता और ग्राम सभा के निर्णय का सम्मान नहीं किया जाता, तब तक पंचायत कार्यालय में लगाया गया ताला नहीं खोला जाएगा। साथ ही उन्होंने आंदोलन को और उग्र करने की चेतावनी भी दी है। अब पूरे मामले में प्रशासन की अगली कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।